नये नेतृत्व का स्वागत

महाप्रबंधक का शुभकामना संदेश

प्रिय पाठको,

पिछले कुछ दशकों में उपजी विश्वव्यापी सूचना क्रांति की बदौलत मोबाइल, टेलीविजन और इंटरनेट का जो दौर पूरी दुनिया में चल रहा है, उसके फलस्वरूप पुस्तकें, समाचार पत्र और पत्रिकाएँ सच्चे अंतर्मन से पढ़ने वाले गम्भीर पाठकों की संख्या में काफी कमी आई है, लेकिन आज के चुनौतीपूर्ण दौर में भी अच्छी किताबों की अहमियत बरकरार है और अच्छे साहित्य एवं पठनीय सामग्री से सुशोभित सार्थक पुस्तकों एवं पत्रिकाओं को आज भी समाज में उचित सम्मान मिलता है। मुझे खुशी है कि पश्चिम रेलवे की लोकप्रिय गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' की गणना भी देश की चुनिंदा श्रेष्ठ गृह पत्रिकाओं में की जाती है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पद का अतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने के बाद 'रेल दर्पण' पत्रिका के सम्पादक मंडल में संरक्षक के रूप में दायित्व निभाने का सुअवसर पाकर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। 'रेल दर्पण' के पुराने विशेषांकों का अवलोकन करने पर इस सुरुचिपूर्ण गृह पत्रिका के पठनीय कलेवर, उत्कृष्ट साज-सज्जा और श्रेष्ठ गुणवत्ता के उन सभी पहलुओं को मैंने बखूबी जाना है, जिनकी बदौलत पिछले 11 वर्षों से यह शानदार गृह पत्रिका 25 से अधिक राष्ट्रीय पुरस्कार पाने का गौरव हासिल कर चुकी है। हार्दिक प्रसन्नता की बात है कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित अखिल भारतीय गृह पत्रिका प्रतियोगिता में इस वर्ष का प्रथम राष्ट्रीय पुरस्कार हमारी इसी गृह पत्रिका 'रेल दर्पण' को प्रदान किया गया है, जो हिन्दी दिवस के अवसर पर 14 सितम्बर, 2011 को नई दिल्ली में आयोजित एक गरिमापूर्ण समारोह में भारत की महामहिम राष्ट्रपति महोदया द्वारा प्रदान किया गया। यह गरिमापूर्ण उपलब्धि समूचे पश्चिम रेल परिवार के लिए खास मायने रखती है और इस उपलक्ष्य में 'रेल दर्पण' पत्रिका के प्रधान सम्पादक एवं मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री शरत चंद्रायन और उनकी पूरी सम्पादकीय टीम को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ। साथ ही इस पत्रिका के और अधिक उज्ज्वल भविष्य के लिए तहे दिल से मंगल कामनाएँ भी प्रकट करता हूँ। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक के रूप में कार्य निर्वाह करना मेरे लिए काफी रोमांचक और पुलकित करने वाली बात रही है। देश के करोड़ों युवाओं के सपनों की मंज़िल और भारत की आर्थिक राजधानी कहलाने वाली मायानगरी मुंबई तथा समूचे गुजरात प्रदेश के अलावा मध्यप्रदेश एवं राजस्थान के भी कुछ इलाकों को अपनी सेवाओं से लाभान्वित करने वाली पश्चिम रेलवे ने देश के पश्चिमी क्षेत्रों के बहुमुखी विकास में हमेशा अहम भूमिका निभाई है और इसकी शानदार विकास यात्रा निरंतर जारी है। संरक्षा, सेवा एवं गति के मूल ध्येय मंत्र पर अमल करते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा सम्माननीय यात्रियों को हमेशा हरसम्भव बेहतर सेवाएँ और सुविधाएँ सुलभ कराई जाती रही हैं और मुझे विश्वास है कि पश्चिम रेलवे के होनहार कर्मचारियों और अधिकारियों के हुनर की बदौलत हम सर्वश्रेष्ठ कार्य निष्पादन करते हुए भविष्य में भी कामयाबी की नित नई बुलंदियाँ हासिल करेंगे। अंत में इस वर्ष मनाई जा रही पश्चिम रेलवे की हीरक जयंती और नैरोगेज की 150 वीं जयंती के सुखद संयोग के उपलक्ष्य में मैं आप सभी का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ और 'रेल दर्पण' के इस नये अंक की सफलता के साथ-साथ आप सभी के सुखद भविष्य की दुआ करता हूँ।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,
आपका शुभाकांक्षी,

(आर. सी. अग्रवाल)
महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे

श्री आर. सी. अग्रवाल पश्चिम रेलवे के नये महाप्रबंधक

उत्तर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री आर. सी. अग्रवाल ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक पद का अतिरिक्त कार्यभार 16 अगस्त, 2011 को ग्रहण किया। श्री अग्रवाल भारतीय रेलवे सिगनल इंजीनियरी सेवा (आईआरएसएसई) 1975 बैच के वरिष्ठ अधिकारी हैं। इससे पूर्व आप रेलवे बोर्ड में अतिरिक्त सदस्य (टेलीकाम्युनिकेशन) के पद पर कार्यरत थे। अपने विशिष्ट सेवाकाल में श्री अग्रवाल को वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार इंजीनियर-मुंबई सेंट्रल, मंडल रेल प्रबंधक-समस्तीपुर तथा उत्तर पश्चिम रेलवे एवं मध्य रेल में मुख्य संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर जैसे महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य करने का गहन अनुभव प्राप्त है। अपने सेवा काल में आपने उपनगरीय ट्रेनों में माइक्रोप्रोसेसर आधारित ऑक्ज़िलरी वॉर्निंग सिस्टम, कंट्रोल ऑफिस में ट्रेन मैनेजमेंट सिस्टम (टी एम एस), स्टेशनों पर डिस्प्ले बोर्ड तथा उपनगरीय ट्रेनों में पी सी आधारित केन्द्रीयकृत उद्घोषणा प्रणाली को लागू करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। आपको विभिन्न सिगनलिंग कार्यों जैसे स्टेशनों पर विभिन्न प्रकार के पैनलों की स्थापना, ऑटोमेटिक सिगनलिंग तथा आधुनिक दूरसंचार प्रणाली आदि को लागू करने का श्रेय दिया जाता है। श्री अग्रवाल ने ट्रेन परिचालन में संरक्षा तथा आधुनिक तकनीकों के प्रयोग के अध्ययन के सिलसिले में जर्मनी, इंग्लैंड, डेनमार्क, बेल्जियम तथा फ्रांस जैसे देशों की यात्राएँ भी की हैं।

श्री दीपक गुप्ता पश्चिम रेलवे के नये अपर महाप्रबंधक

श्री दीपक गुप्ता ने पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक का पदभार 21 अप्रैल, 2011 को ग्रहण कर लिया। श्री दीपक गुप्ता फरवरी, 1974 को जमालपुर में स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस तथा फरवरी, 1978 में भारतीय रेलवे मैकेनिकल इंजीनियर्स सेवा में नियुक्त हुए। आपको पूर्व रेलवे, चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स तथा मध्य, पश्चिम एवं कोंकण रेलवे में विभिन्न महत्त्वपूर्ण पदों पर कार्य करने का सघन अनुभव प्राप्त है। श्री गुप्ता ने 6 वर्षों से अधिक समय तक पश्चिम तथा मध्य रेल के उपनगरीय खंड में क्रमशः वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर तथा अपर मंडल रेल प्रबंधक (सबर्बन) के पद पर कार्य किया है। आप पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में मंडल रेल प्रबंधक भी रहे हैं।

आपने यू. के., जर्मनी, फ्रांस तथा बेल्जियम में हाई स्पीड लोको तथा स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट सम्बंधी विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया है। अपर महाप्रबंधक के रूप में नियुक्त होने से पहले श्री गुप्ता पश्चिम रेलवे में मुख्य वर्कशॉप इंजीनियर के पद पर कार्यरत थे।

हमारे नये प्रधान विभागाध्यक्ष एवं मंडल रेल प्रबंधक

श्री आर. के. वर्मा
वरिष्ठ उप महाप्रबंधक

श्री एस. सुब्रहमनियन
वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी

श्री महिम स्वामी
मुख्य सुरक्षा आयुक्त

श्री बिमल राउतजी
मुख्य भंडार नियंत्रक

श्री डी.के.सोनावने
मुख्य बिजली इंजीनियर

श्री लोकेश नारायण
मंडल रेल प्रबंधक, रतलाम

श्री राकेश बहल
मंडल रेल प्रबंधक, अहमदाबाद